

भा कृ अनु प – के मा शि सं, मुंबई में ए-आइडिया द्वारा एग्री उडान @ 7.0 रोड शो का आयोजन - मुंबई, 24 सितंबर 2024

ए-आइडिया, आईसीएआर-एनएएआरएम, हैदराबाद के प्रौद्योगिकी व्यवसाय इनक्यूबेटर (टीबीआई) ने एबीआई, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के सहयोग से आईसीएआर-सीआईएफई के नए परिसर में एग्री उडान@ 7.0 रोड शो का आयोजन किया। यह पहल पूरे भारत में कृषि व्यवसाय नवाचारों को बढ़ावा देने में एक और मील का पत्थर साबित होगा। भारत का पहला खाद्य और कृषि व्यवसाय त्वरक एग्री उडान, मूल रूप से आईआईएम अहमदाबाद के इनक्यूबेटर सीआईआईई के साथ साझेदारी में ए-आइडिया द्वारा 2015 में लॉन्च किया गया था। तब से, छह सफल समूहों का आयोजन किया गया है, जो उभरते कृषि स्टार्ट-अप को मजबूत समर्थन प्रदान करते हैं। नाबार्ड द्वारा समर्थित और एसबीआई द्वारा संचालित कृषि उडान 7.0 को आधिकारिक तौर पर 22 अगस्त 2024 को हैदराबाद में लॉन्च किया गया, जिसके लिए आवेदन 6 अक्टूबर 2024 तक खुले हैं। मुंबई में कार्यक्रम की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें आईसीएआर-सीआईएफई के कुलपति/निदेशक डॉ. रविशंकर सी.एन., आईसीएआर-एनएएआरएम के निदेशक ए-आइडिया के अध्यक्ष डॉ. चौ. श्रीनिवास राव और एसबीआई (एबीयू जीएसएस), मुंबई के जीएम श्री संजय वी.एस. जैसे प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। ए-आइडिया आईसीएआर-एनएएआरएम के सीओओ श्री परितोष त्रिपाठी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और कृषि नवाचारों को बढ़ावा देने में कृषि उडान 7.0 की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने स्टार्ट-अप को सलाह देने, नेटवर्क बनाने और धन उगाहने में सहायता करने में त्वरक के योगदान पर प्रकाश डाला। आईसीएआर-एनएएआरएम के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. श्रीकांत पी.डी. ने ए-आइडिया की यात्रा का अवलोकन किया, जिसमें बताया कि किस तरह फंडिंग एजेंसियों और इनक्यूबेशन सहायता के साथ इसकी साझेदारी ने युवा कृषि उद्यमियों के विकास को उत्प्रेरित किया है। उन्होंने पिछले कृषि उडान बैचों की सफलता के बारे में विस्तार से बताया, जिन्होंने सामूहिक रूप से 120.5 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया है। कृषि उडान 7.0 का उद्देश्य भारत भर में शीर्ष उद्यमी प्रतिभागों की खोज करके और उन्हें एक्सेलेरेटर मेंटरशिप प्रोग्राम के माध्यम से मार्गदर्शन देकर इस विरासत को जारी रखना है। इस कार्यक्रम में मेंटरों की अंतर्दृष्टि भी शामिल थी। आईसीएआर-सीआईएफई की प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अर्पिता शर्मा ने मत्स्य पालन में उद्यमिता के अवसरों और आईसीएआर-सीआईएफई प्रौद्योगिकियों के बारे में बात की। मेजरिटी फंड जैसे निवेशकों ने कृषि व्यवसाय निवेश के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करने पर बात की। ऑमसैट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक श्री रिद्धिष सोनी ने अपने अनुभव साझा किए और किसानों के लिए उनके स्टार्टअप लॉजिस्टिक्स और लागत-दक्षता को बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए ए-आइडिया एनएएआरएम की प्रशंसा की। इसी तरह, सास्वत फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और एग्री उडान 6.0 के लाभार्थी श्री अरुण तिवारी ने बताया कि कैसे एक्सेलेरेटर ने उनकी व्यावसायिक रणनीतियों को परिष्कृत करने में मदद की। मुख्य अतिथि श्री संजय वी एस, एसबीआई (एबीयू और जीएसएस) के जीएम ने स्टार्टअप के लिए बैंकिंग पहलों पर चर्चा की, जबकि एनएबी वेंचर्स के प्रबंध निदेशक श्री विकास भट्ट ने शुरुआती चरण के स्टार्टअप और "एग्रीशोर फंड" का समर्थन करने में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो कृषि-केंद्रित स्टार्टअप को उच्च-जोखिम, उच्च-प्रभाव वाले निवेश प्रदान करता है। भा कृ अनु प – के मा शि सं के डॉ. रविशंकर सी.एन. ने युवा उद्यमियों को पोषित

करने के लिए आईसीएआर की प्रतिबद्धता के बारे में बात की और भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में परिवर्तन की प्रशंसा की, जहां निवेशक अब स्टार्टअप से संपर्क करते हैं। उन्होंने स्टार्ट-अप के लिए आईसीएआर के व्यापक संसाधनों पर प्रकाश डाला, और उद्यमशीलता समर्थन के लिए "वन-स्टॉप-शॉप" के रूप में इसकी भूमिका पर बल दिया। अपने अध्यक्षीय भाषण में, डॉ. चौ. श्रीनिवास राव ने विपणन से लेकर कटाई के बाद होने वाले नुकसानों तक, छोटे किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्टार्ट-अप्स से इन मुद्दों को नवाचार, किसानों के जोखिम को कम करने और लाभप्रदता बढ़ाने के माध्यम से हल करने का आग्रह किया। कार्यक्रम का समापन एनएआईएफ-एबीआई के प्रधान वैज्ञानिक पीआई डॉ. एस. पी. शुक्ला के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने प्रभावशाली चर्चाओं और भारत में कृषि उद्यमिता के लिए आगे की राह पर विचार किया। कार्यक्रम में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम जैसे स्टार्ट-अप, निवेशक, इनक्यूबेटर, मेंटर, कृषि उद्योग, शिक्षाविद, अनुसंधान संस्थान और बैंकों से लगभग 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



